RE. DEMAND FOR REOPENING MODI RUBBER FACTORY, MODIPURAM, UTTAR PRADESH

श्री शान्ति त्यागी (उत्तर प्रदेश) : मेरठ जिले में मोदीपुरम की मोदी रबर फैक्टरी के कई हजार मजदूरों पर पीएसी ने, पुलिस ने अंधाधुंध गोलियां चलाई हैं लाठियां चलाई हैं और कई सौ आदमियों को गिरफ्तार करके जेल में भेज दिया है जो घायल हुए हैं गोलियों से उनकी हालत बहुत खराब है। कारखाना बंद कर दिया गया है लॉक-आउट कर दिया गया है। पूरा क्षेत्र सुनसान है। वहां पर असंतोष है। पब्लिक में बहुत ज्यादा गुस्सा है और तमाम क्षेत्र में पीएसी की गश्त जारी है। सैकड़ों की तादाद में पुलिसमैन घूम रहे हैं। आदरणीया उपसभापति जी मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि गृह मंत्री जी यहां पर हैं। उनका राइट है। वह श्रमिकों के अल्पसंख्यकों के गरीब तबके के और मजदूरों के हामी हैं। उत्तर प्रदेश में मजदूरों के ऊपर श्रमिकों के ऊपर गोलीबारी हुई है डंडा चार्ज हुआ है जेल में भेजा गया है। आप केन्द्र में सत्ता में बैठे हैं आपका दायित्व है। आप उन गरीबों के आशीर्वाद से बैठे हैं। कांग्रेस हमेशा गरीबों की श्रमिकों की पक्षधर रही है। मैं आपसे अपील करना चाहूंगा कि इसमें आप हस्तक्षेप करें और कारखाना खुलवायें। अगर कारखाना खोलने से इन्कार करते है तो गवर्नमेंट फैक्टरी को अपने हाथ में ले कर उसको चलवाये। इन अल्फाज के साथ मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं।

श्री कपिल वर्मा (उत्तर प्रदेश) : मैं भी इसका समर्थन करता हूं। इस पर स्टेटमेंट होनी चाहिए। क्योंकि वहां पर फायरिंग हुई है इसलिए इस पर स्टेटमेंट होनी चाहिए। (व्यवधान)

RE. DEMAND FOR HILL COUNCIL FOR LEH

श्री कृष्ण लाल शर्मा (हिमाचल प्रदेश) : लेह के बारे में मैंने कल भी बात कही थी...

उपसभापति : आपने इस पर स्पेशल मेंशन दिया है न?

श्री कृष्ण लाल शर्मा : मैंने इस पर स्पेशल मेंशन नहीं दिया है। मेरा पेशल मेंशन दूसरे पर है।

उपसभापति : ठीक है मैं देख लूंगी।

श्री कृष्ण लाल शर्मा : लेह के अंदर 10 मई को एक विशाल बुद्धिस्ट रैली हुई है। उन्होंने यह खुली धमकी दी है कि अगर 20 मई तक उनकी मांग नहीं मानी गई तो वे वायलेन्ट एजीटेशन करेंगे। वहां पुतले जलाये जा रहे है अभी कुछ दिन पहले गृह मंत्री जी से बुद्धिस्ट नेताओं की और कारगिल के मुस्लिम नेताओं की बातचीत हुई है। 1989 में जम्मू में त्रिपक्षीय वार्ता हुई थी जिसमें यह माना गया था कि लेह को हम हिल कौंसिल का स्टेटस देंगे। मैं गृह मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या वे जेकेएलएफ को वार्ता के लिए निमन्त्रण दे रहें हैं? क्या ये बुद्धिस्ट जब हिंसा पर आ जायेंगे तब उनसे बातचीत की जायेगी और तब उनकी बात मानी जायेगी? मैं चाहूंगा समय पर गृह मंत्री जी इसका नोटिस लें। उनको बुलायें और उनकी मांग मानें। अगर सरकार ने कोई कामिटमेंट किया है तो वह कामिटमेंट पूरा करे और वायलेंट एंजीटेशन से बचें। मैं फिर कहूंगा कि गृह मंत्री जी समय पर कदम उठायें।

RE. REPORT OF THE DELEGATION OF THE MEMBERS OF THE STANDING COMMITTEE OF THE NIC AND MPs TO AYODHYA

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA (Uttar Pradsh): Madam, we have received the Parliamentary Bulletin which says that copiecs of the Report of the delegation of the Members of the Standing Committee of the NIC and MPs to Ayodhya, have been received for distribution to Members, and the Members have been requested to collect their copies.

[Shri Satya Prakash Malaviya]

A copy of the Report has been placed in the Library. Fortunately, the Home Minister is present here, and the Minister for Parliamentary Affairs is also present here. I want to know whether this Report is going to be laid on the Table of this House or not because earlier the Leader of the House has given an assurance that he was not ruling out the possibility of its being laid.

उपसभापति : यह तो लायब्रेरी में रखा है ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : महोदया, इसको हाउस में ले करना है ।

उपसभापति : इस बारे में होम मिनिस्टर साहब जवाब दे रहे हैं ।

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: My point is whether it will be laid on the Table of the House or not.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): There was an understanding between all the leaders that a copy of the Report should be placed in the Library instead of being placed on the Table of the House and that copies of it should be circulated. That we have done already.

SHRI KAMAL MORARKA (Rajastan): We want to know whether we can discuss it in the House or not. We are not concerned with the technicality of placing it in the library. Now that it is a public document, because it has been placed in the Library. We want to know from the Government whether the Government has any objection to discussing it. The BJP has no objection to discuss it. Others have no objection to discuss it.

SHRI S. B. CHAVAN: There is no question of any party having objection or no objection. When the matter is before the Supreme Court, it is a matter *sub judice*. Contempt proceedings are going on. So, it will not be advisable to discuss the Report before the matter is disposed of by the Supreme Court.

श्री राम नरेश यादव : (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मुझ निवदन करना है कि... (**व्यवधान**) ।

उपसभापति : मैंने आपसे कहा कि बहुत से स्पेशल मेंशन्स हैं । बिजनेस एडवाइजरी कमेटी ने यह निर्णय लिया था, गुलाम नबी आजाद जी भी उसमें थ, कि बोफोर्स का इसू बार बार इस हाउस में उठता है । आज फिर जयपाल रेड्डी जी ने चेयरमैन साहब को चिट्ठी लिखी है और यह तय हुआ कि जो पोलिटिकल पार्टीज हैं, ग्रुप्स हैं, उनको दो दो, तीन तीन या पांच पांच मिनट से ज्यादा न दिए जायें । इसलिए इस पर आप कुछ कहें । अब जयपाल रेड्डी जी आप जरा संक्षेप में कहें ।

श्री प्रमोद महाजन : (महाराष्ट्र) : बाकी स्पेशल मेंशन्स कब होंगे ?

उपसभापति : उसके बाद ही ले लेंगे । इसमें आप जितनी जल्दी करेंगे तो बाकी 36 लोगों की जो समस्याएं हैं उनका भी समाधान हो जाएगा ।

Apart from the Bofors there are other issues which the Members have raised. So, if everybody takes less time we can dispose of a lot of business. Only two days are left.

MATTER RAISED WITH PERMISSION—BOFORS INEVTIGATIONS

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI S. JAIPAL REDDY): I must at the outset confess candidly that we cannot take any credit for the longevity or irrepressibility of the Bofors scandal. The credit, if any, should go entirely to the mighty